



नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिंगापुर में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के समूह चीफ एग्जीक्यूटिव बिल विटर्स और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा। वित्त मंत्रालय ने रविवार को 'एक्स' पर जारी पोस्टर में बताया कि सिंगापुर में अपनी बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक समूह के मुख्य कार्यकारी बिल विटर्स ने भारत की ग्लोबल मार्केट में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए ट्रेड फाइनैस, क्रॉस-बॉर्डर बैंकिंग और फाइनेंशियल एंजो को मजबूत करने की अहम रणनीतियों पर चर्चा की। इस दौरान वैश्विक बाजारों के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव को समर्थन देने के लिए उचित टैक्स और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के जरिए एआई को बढ़े पैमाने पर अपनाने और गिफ्ट आईएफएससी में ट्रेजरी सेंटर स्थापित करने व उनका विस्तार करने के अवसरों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। वित्त मंत्री के साथ इस बैठक में उनके साथ समूह चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुश्री तनुजी कपिलाश्रमी, सिंगापुर, आसियान और दक्षिण एशिया के सीईओ पैट्रिक ली और ग्रुप पब्लिक एंड रेगुलेटरी अफेयर्स में सरकारी मामलों के निदेशक कॉलिन टुंग भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 9 से 11 अक्टूबर तक सिंगापुर की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करना और भारत में वैश्विक संस्थागत निवेश को आकर्षित करना है।



वाशिंगटन। अमेरिकी प्रशासन द्वारा दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ग्रीन कार्ड प्रयोजित करने की क्षमता पर रोक लगाने के बाद, कंपनी ने अपनी एच-1बी वीजा नीति का जोरदार बचाव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत एच-1बी आवेदन नए कर्मचारियों की भर्ती के बजाय पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति को बदलने या बढ़ाने के लिए थे। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में उसके 6,000 एच-1बी आवेदनों में से लगभग 80 प्रतिशत पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति बदलने के लिए थे, न कि नए कर्मचारियों की भर्ती के लिए। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, शेष आवेदन अमेरिका में पहले से कानूनी तौर पर रह रहे लोगों के लिए थे, जो कंपनी में शामिल हुए। ये आवेदन उसके अमेरिकी कार्यबल के लगभग एक प्रतिशत से संबंधित थे। माइक्रोसॉफ्ट ने कम वेतन के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि एच-1बी कर्मचारियों को समान काम के लिए बराबर वेतन दिया जाता है। यह सचाई तब आई जब ट्रंप प्रशासन ने रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड प्रयोजन पर रोक लगाई। कंपनी ने अमेरिकी कार्यबल पर भरोसा जताते हुए प्रशासन को अतिरिक्त जानकारी की भी पेशकश की है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने प्रतिबंध के कानूनी आधार, अवधि और प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया।

लागत के बढ़ते बोझ से प्रभावित हो सकता है एफएमसीजी का परिचालन मुनाफा



नई दिल्ली। सितंबर तिमाही में देश की रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और ग्रामीण मांग में संभावित सुस्ती के कारण उनके परिचालन मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है। ब्रोकरेज रिपोर्टों के अनुसार, कच्चे तेल और अन्य प्रमुख जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी ने एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ाई है। आईसीआईसीआई डायरेक्ट की एक रिपोर्ट बताती है कि कम बारिश से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित होने की आशंका है, जो मुनाफे पर असर डाल सकती है। खाद्य महंगाई आगे चलकर शहरी मांग को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे कंपनियों के ए/बिटा मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। डाबर इंडिया और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियों ने लागत वृद्धि से मार्जिन पर दबाव स्वीकार किया है, हालांकि वे मजबूत राजस्व वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। डाबर ने लागत बचत और चरणबद्ध मूल्य वृद्धि से प्रभाव कम करने की बात कही है।

नईदुनिया

एक सप्ताह में 2,240 रुपये तक महंगा हुआ सोना, चांदी में 5,100 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमत में आई तेजी का असर रविवार को लगातार दूसरे दिन घरेलू सर्राफा बाजार में भी नजर आ रहा है। भारतीय सर्राफा बाजार में भी रविवार को सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह चार दिन की स्थिरता के बाद चांदी के भाव में 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है।

भाव में हुए इस बदलाव के बाद ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,51,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,38,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में मजबूती दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 2,240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी प्लैट ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के

कारोबार में लगातार सपाट स्तर पर कारोबार करता रहा। हालांकि, रविवार को की की वजह से चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक चढ़ गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,51,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा

चेन्नई में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,51,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर

पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,51,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी रविवार को सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,51,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,38,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एफपीआई की भारतीय शेयर मार्केट से बिकवाली का आंकड़ा 3 लाख करोड़ के पार

सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा, जिससे चालू वर्ष में उनकी कुल निकासी 3.04 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई है। अक्टूबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 44,166 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड पर बढ़ते प्रतिफल जैसे वैश्विक कारकों को इस निकासी का मुख्य कारण माना जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि, जुलाई और अगस्त के महीनों में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ और 29,631 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था, जो मौजूदा बिकवाली के उलट एक राहत भरी तस्वीर थी। इस वर्ष अब तक हुई 3.04 लाख करोड़ रुपये की कुल निकासी पिछले पूरे वर्ष 2025 की 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली के मुकाबले काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार से विदेशी पूंजी के लगातार पलायन को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बिकवाली को भारत की निवेश क्षमता पर अविश्वास के रूप में देखने के बजाय वैश्विक स्तर पर पूंजी के पुनर्वितरण के तौर पर समझा जाना चाहिए। बाजार के जानकारों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में अपूर्ति जोखिमों के कारण कच्चे तेल की कीमतों ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा, मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल निवेशकों को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित कर रहे हैं। उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी तेजी भी विदेशी पूंजी को अपनी ओर खींच रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस भारी बिकवाली के कारण ही चालू वर्ष में निपटी में 13.87 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो भारतीय बाजार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन को प्रमुख वजह



कंपनियों के तिमाही परिणामों, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद अब निवेशकों का ध्यान कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों और देश के प्रमुख महंगाई आंकड़ों पर केंद्रित हो गया है। आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा तय करने में ये घरेलू संकेतक अहम भूमिका निभाएंगे। अगले सप्ताह एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो जैसी आईटी दिग्गज, साथ ही एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे वित्तीय क्षेत्र के बड़े खिलाड़ी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगे। इन नतीजों से न केवल संबंधित कंपनियों के शेयरों की चाल तय होगी, बल्कि यह पूरे सेक्टर और समग्र बाजार की निवेश धारणा को भी प्रभावित करेगा। तिमाही नतीजों के साथ, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होने हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और आगामी ब्याज दरों के फैसलों पर सीधा असर डाल सकते हैं, जिससे निवेशकों की उम्मीदें प्रभावित होंगी। घरेलू मोर्चे के अलावा, वैश्विक परिस्थितियां भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव एक प्रमुख चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से अधिक डीजल की तत्काल आपूर्ति (जिसमें नवंबर में 5 लाख टन और उसके बाद 10 लाख टन अतिरिक्त शामिल हैं) की घोषणा कुछ हद तक ऊर्जा बाजार को स्थिरता प्रदान कर सकती है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बना रहना वैश्विक पूंजी प्रवाह और उभरते बाजारों पर दबाव बनाए रख सकता है। निवेशकों की निगाहें इन सभी महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर बनी रहेंगी।

रही है। विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध बिकवाली की है, जिससे यह संकेत मिलाता है कि उनका रुझान फिलहाल भारतीय संपत्तियों से दूर बना हुआ है।

अयोध्या के श्री राम मंदिर को 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' का प्रमाण पत्र

मंदिर परिसर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के अनुपालन पर मुहर, दो साल तक रहेगा मान्य

नई दिल्ली

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने प्रतिष्ठित ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप प्रमाण पत्र प्रदान किया है। यह सम्मान मंदिर परिसर में प्रसाद व अन्य खाद्य पदार्थों की तैयारी एवं वितरण में उच्च खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के सख्त अनुपालन के लिए दिया गया है।

यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र 11 अक्टूबर, 2026 से 10 अक्टूबर, 2028 तक दो साल की अवधि के लिए मान्य होगा। शनिवार को अयोध्या में आयोजित एक विशेष समारोह में एफएसएसआई के एक अधिकारी ने यह प्रमाणपत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंपा था। इसकी जानकारी एफएसएसआई ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से दी। एफएसएसआई की ईट राइट प्लेसेज ऑफ



वर्शिप पहल ईट राइट इंडिया अभियान का एक अभिन्न अंग है। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक प्रक्रिया अपनाना है, जिसमें प्रारंभिक ऑडिट, संबंधित संस्थान को प्रशिक्षण और फिर तृतीय-पक्ष एंजेंसरियों द्वारा अंतिम ऑडिट शामिल है। निर्धारित कड़े मानकों पर खरा उतरने के बाद ही यह प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में रामलला की नवीन मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा इसी साल 22 जनवरी को हुई थी।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह आरंभ में 7 नए आईपीओ, सिर्फ एक कंपनी के शेयर की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली

सोमवार यानी 12 अक्टूबर से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में आईपीओ लॉन्चिंग के लिहाज से सामान्य हलचल रहने वाली है। सोमवार से शुक्रवार तक के इस नए कारोबारी सप्ताह में सात कंपनियां अपने पब्लिक इश्यू लॉन्च करने जा रही हैं। इनमें से पांच मेनबोर्ड सेगमेंट से हैं, जबकि शेष दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। लिस्टिंग के लिहाज से ये सप्ताह काफी सुस्त रहने वाला है। इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होकर अपने कारोबार की शुरुआत करने वाले हैं।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 13 अक्टूबर को एचडी फायर प्रोजेक्ट का 712.31 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 15 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 105 रुपये प्रति शेयर से लेकर 112 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 अक्टूबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी

सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 258 रुपये प्रति शेयर से लेकर 271 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 55 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन रविता इंजीनियरिंग सर्विसेज का 116.05 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 15 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 105 रुपये प्रति शेयर से लेकर 112 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 21 अक्टूबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी



के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

मंगलवार यानी 13 अक्टूबर को ही वैभव व्यापार का 42.10 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 15 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली

के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन 14 अक्टूबर को फ़्यूजन सीएक्स लिमिटेड का 702 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 16 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 275 रुपये प्रति शेयर से लेकर 289 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 51 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 15 अक्टूबर को सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ लॉन्च होने वाला है। इस इश्यू में 19 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी

बैंड और लॉट साइज का ऐलान नहीं किया गया है। आईपीओ के तहत कुल 2,76,44,231 शेयर ऑफ़र फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 23 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन टोन्को इमेजिंग इंडिया का आईपीओ भी लॉन्च होने वाला है। इस इश्यू में भी 19 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। फिलहाल इस आईपीओ के लिए भी प्राइस बैंड और लॉट साइज का ऐलान नहीं किया गया है। आईपीओ के तहत कुल 1,21,74,046 शेयर ऑफ़र फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 23 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।